

गँवारी स्त्री. (देश.) 1. गँवार स्त्री 2. मूर्खता, बेवकूफी
3. गँवारपन।

गँवारू वि. (देश.) 1. गँवार का-सा 2. भद्दा, बेढंगा
3. असभ्य।

गँसना अ.क्रि. (तद्.) 1. अच्छी तरह, कसकर
जकड़ना, बाँधना, गाँठना 2. बुनावट में सूतों का
खूब पास-पास होना।

ग पुं. (तत्.) 1. गीत 2. गंधर्व 3. छंदशास्त्र में गुरु
मात्रा 4. गणेश 5. संगीत में 'गंगाधर' स्वर का
संक्षिप्त रूप सूचक वर्ण 6. समासांत में 'जाने
वाला' अर्थ देने वाला।

गऊ स्त्री. (तद्.) गाय, गौ।

गकरिया स्त्री. (देश.) लिट्टी, बाटी।

गगनगढ़ पुं. (तत्.+देश.) गगन-स्पर्शी प्रासाद, बहुत
ऊँचा महल।

गगन गिरा स्त्री. (तत्.+देश.) आकाशवाणी।

गगन गुफा पुं. (तत्.+तद्) ब्रह्म रंध्र।

गगनचर पुं. (तत्.) 1. आकाशचारी 2. पक्षी 3.
ग्रह, नक्षत्र 4. देव, देवता 5. राशिचक्र।

गगन धूलि स्त्री. (तत्.) 1. केतकी या केवड़े के
पेड़ पर पड़ी धूल 2. एक प्रकार का कुकुरमुत्ता।

गगन ध्वज पुं. (तत्.) 1. बादल 2. सूर्य।

गगन पुं. (तत्.) 1. आकाश, अंतरिक्ष, शून्य 2.
शून्य स्थान 3. काव्य. छप्पय छंद का एक भेद
जिसके प्रत्येक चरण में 11 वर्ण होते हैं तथा
जो क्रमशः 3 पगण और 2 गुरु के योग से
बनता है 4. रहस्य संप्रदाय में अंतःकरण या
ब्रह्म के रहने का स्थान।

गगन कुसुम पुं. (तत्.) आकाश कुसुम, अवास्तविक
वस्तु।

गगनचुंबी वि. (तत्.) आकाश को छूने वाला, बहुत
ऊँचा।

गगन पति पुं. (तत्.) इंद्र।

गगन-वाणी स्त्री. (तत्.) आकाशवाणी।

गगन विहारी पुं. (तत्.) 1. प्रकाश पिंड 2. सूर्य
3. देवता वि. आकाशचारी, नभचारी।

गगन स्पर्शी वि. (तत्.) आकाश को छूने वाला,
बहुत ऊँचा।

गगनांगन पुं. (तत्.) पच्चीस मात्राओं का एक छंद
दे. गगनांगना।

गगनांगना स्त्री. (तत्.) 1. अप्सरा 2. एक छंद
का नाम जिसके प्रत्येक चरण में 25 मात्राएं
होती हैं, 16-9 पर यति होती हैं और अंत में
यगण होता है।

गगनांबु पुं. (तत्.) वर्षा का जल, बरसाती पानी,
आकाश से गिरा हुआ जल।

गगनाध्वज पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. ग्रह 3. देवता।

गगनापगा स्त्री. (तत्.) आकाश गंगा।

गगनेचर पुं. (तत्.) 1. ग्रह, नक्षत्र 2. पक्षी 3. देवता
4. वायु 5. राक्षस, दैत्य, दानव 6. बाण, इषु 7. चंद्र।

गगनोल्मुक पुं. (तत्.) मंगल ग्रह।

गगरा पुं. (तद्.) ताँबे, पीतल या लोहे का बना
हुआ घड़ा, कलसा।

गगरिया स्त्री. (देश.) दे. गंगरी।

गगरी स्त्री. (तद्.) मिट्टी का घड़ा, धातु का छोटा
कलश।

गगल पुं. (तत्.) साँप का जहर, सर्प विष।

गच स्त्री. (देश.) 1. किसी नरम वस्तु में किसी
कड़ी या पैनी वस्तु के धँसने का शब्द 2. चूने,
सुरखी आदि के मेल से बना मसाला, जिससे
जमीन पक्की की जाती है, पक्का फर्श 3. पक्की
छत।

गचकारी स्त्री. (देश.+फा.) गच पीटने का काम,
चूने सुरखी का काम।

गचाका पुं. (देश.) गच से गिरने की आवाज स्त्री.
(अनु.) जवान औरत, जवानी से भरी स्त्री
(बाजारू) वि. (देश.) भरपूर।

गच्चा स्त्री. (देश.) 1. धोखा 2. बेइज्जती 3.
जोखिम, हानि की संभावना 4. गड़ढा, गर्त।